# बदायूँ से पुरातात्त्विक अवशेषों की प्राप्ति

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) को **उत्तर प्रदेश के बदायूँ ज़िले के खेड़ा जलालपुर गाँव** में एक टीले से गुप्त काल के बाद के पुरातात्त्विक अवशेषों की प्राप्ति हुई है।

## प्रमुख बिंदु

- गंगा नदी के पूर्वी तट पर स्थित खेड़ा जलालपुर गाँव के टीले से हिंदू मंदिर की मूर्तियों के टुकड़े, प्राचीन ईंट प्राप्त हुए हैं। एएसआई के अनुसार ये अवशेष **गुप्तकाल के बाद के (7वीं-8वीं शताब्दी के)** हैं, जिनका संबंध आज से करीब **1300-1400 वर्ष पहले** के समय से है।
- प्रसिद्ध पुरातत्त्वविद डॉ. बी.आर. मणि के अनुसार **बदायूँ पुरातात्त्विक दृष्टि से अत्यधिक महत्त्वपूर्ण स्थल** है। यह **प्राचीन पांचाल (द्रौपदी की जन्मस्थली) का हिस्सा** था। दिल्ली सल्तनत के मामलूक वंश के शासन के दौरान बदायूँ सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण इक्ता थी। सुल्तान बनने से पूर्व इल्तुतमिश यहीं का इक्तादार था।
- उल्लेखनीय है कि **बदायूँ अब्दुल कादिर बदायूँनी** एवं **शेख निज़ामुद्दीन औलिया** की जन्मस्थली थी। साथ ही, यह दिल्ली-लखनौती व्यापारिक मार्ग का प्रमुख केंद्र था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/archaeological-remains-budaun